राजस्व विभाग

युद्ध जागीर प्रस्कार

दिनांक 30 जून, 1993

कमांक 1503-9-2-93/12075. —श्री दिवान सिंह पुत्र श्री मिहां सिंह, निवासी गांव जूंग माजरा, तहसील नारायणगढ़, जिला ग्रम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (। ए) तथा 3 (। ए) केग्रधीन सरकार की ग्रिधिसूचना कमांक 800-ग्रार-4-68/992, दिनांक 7 मार्च, 1968 द्वारा 100 रुपये वार्षिक ग्रीर बाद में ग्रिधिसूचना कमांक 5041-ग्रार-111-70/295.5, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक ग्रीर उसके बाद ग्रिधिस्चना कमांक 1789-ग्र-1-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूवर, 1979, द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी ।

2. अब श्री दिवान सिंह की दिनांक 5 सितम्बर, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री दिवान मिह की विधवा श्रीमती किरण कौर के नाम रबी, 1993 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तब्दील करते हैं।

क्रमांक 1602-त-2-93/12079---श्री बलदेव सिंह, पुत्र श्री यख्तावर सिंह, निवासी गांव गीरावड़, तहसील गोहाना, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1) तथा 3 (1) के अबीर सरकार की अधिसूचना क्रमांक 9726-जे. एस.-III-65/7406, दिनांक 22 अक्तूबर, 1965 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बड़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री बलदेव निंह की दिनांक 26 जनवरी, 1992 को हुई मत्यु के परिणाम-बर्ल्प हुरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है, श्रीर उनमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागोर को श्री बनदेव सिंह को विधवा श्रीमती पनमेश्वरी देवी के नाम खरीफ, 1992 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई झर्ती के मन्तर्गत तब्दील करते हैं।

दिनांक 5 ज्लाई, 1993

कमाक 1207-3-2-93/12319. —श्री राम रक्खामल, पुत्र श्री काहृत दास, निवासी मकान नं० 548, माइल कालीनी, यमुनानगर, तहसील जगाधरी, जिला श्रम्बाला श्रव यमुनानगर की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिक्षित्यम, 1948 की धारा 2 (ए) (।ए) तथा 3 (।ए) के श्रधीन सरकार की श्रिधिसूचना कमाक 501-ग्रार-4-67/1026, दिनांक 11 अर्थल, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक ग्रीर वाद में श्रिधिसूचना कमांक 5041-ग्रार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्ब⁷, 1970 द्वारा 150 रुपये श्रीर उसके बाद श्रिधिसूचना कमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूब⁷, 1979 द्वारा 150 रुपये में बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से आगीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री राम रक्खामल की दिनांक 12 अन्तूबर, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैमा कि उसे हरिवाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री राम रक्खामल की विधवा श्रीमती नतभराई के नाम खरीक, 1993 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत अवदील करते हैं।

ब्रार० एल० चावला,

ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।